भारत - आयरलैंड संबंध

राजनीतिक संबंध

भारत और आयरलैंड के बीच संबंध 19वीं शताब्दी से ही चले आ रहे हैं जब भारी संख्या में आयरलैंड के लोगों ने भारत में ब्रिटिश सिविल सेवा तथा उपनिवेशी आर्मी रेजीमेंट को ज्वाइन किया था। उपनिवेशी चिकित्सा एवं इंजीनियरिंग सेवाओं में काफी संख्या में आयरलैंड के लोग थे। इस अवधि के दौरान, आयरिश मिशनरी एवं शिक्षाविद भी भारत के सभी क्षेत्रों में फैले। बीसवीं शताब्दी के शुरूआती वर्षों से ही दोनों देशों के राष्ट्रवादी आंदोलनों के बीच संबंध से ये क़डियां और मजबूत हुईं। पंडित जवाहरलाल नेहरू तथा आयरिश नेता एमोन डी वेलेरा अक्सर संपर्क में रहते थे। नेताजी सुभाष चंद्र बोस तथा विठ्ठलभाई पटेल आयरलैंड के राष्ट्रवादी नेताओं से नियमित रूप से पत्र व्यवहार करते थे। अन्य क्षेत्रों में भी संपर्क थे, जिसमें से सबसे महत्वपूर्ण नोबल पुरस्कार विजेता रवीन्द्रनाथ टैगोर तथा डब्ल्यू बी ईट्स के बीच घनिष्ठ संपर्क है।

औपचारिक राजनयिक संबंधों की स्थापना 1947 में हुई। भारत ने 1951 में डबलिन में अपना दूतावास खोला। नई दिल्ली में आयरिश दूतावास 1964 में स्थापित हुआ तथा मुंबई एवं बंगलुरू में मानद कांसुलेट क्रमश: 1976 एवं 2000 में स्थापित हुए। 2010 में चेन्नई एवं कोलकाता में नए मानद कांसुलेट स्थापित किए गए हैं।

राष्ट्रपति के स्तर पर आयरलैंड की ओर से भारत की तीन यात्राएं हुई हैं - एमोन डी वलेरा (1948), डा. पैट्रिक हिलेरी (1979) और श्रीमती मैरी रॉबिन्सन (1993)। राष्ट्रपति के स्तर पर भारत की आरे से डा. एस राधाकृष्णन [1964] और श्री एन संजीव रेड्डी [1982] द्वारा आयरलैंड की यात्राएं की गई हैं।

आयरलैंड का दौरा करने वाले भारत के एकमात्र प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू हैं जिन्होंने दो बार - 1949 एवं 1956 में आयरलैंड का दौरा किया था। आयरलैंड के प्रधानमंत्री गरेट फिट्जगेराल्ड ने 1984 में श्रीमती इंदिरा गांधी के अंतिम संस्कार में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया था। प्रधानमंत्री बर्टि अहर्न ने जनवरी, 2006 में आधिकारिक द्विपक्षीय यात्रा की थी।

राज्य मंत्री पी शिवशंकर ने कनिष्का क्रैश की पहली बरसी में भाग लेने के लिए जून, 1986 में आयरलैंड का दौरा किया था। श्रीमती प्रनीत कौर ने 2011 में आयरलैंड का दौरा किया। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री डा. फारूख अब्दुल्लाह ने 2012 में आयरलैंड का दौरा किया। हाल की जो द्विपक्षीय यात्राएं हुई हैं उनमें विदेश राज्य मंत्री (ई ए) श्रीमती प्रनीत कौर की अक्टूबर, 2011 में आयरलैंड की यात्रा और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री डा. फारूख अब्दुल्लाह की जून, 2012 में आयरलैंड की यात्रा शामिल हैं।

हालांकि आयरलैंड की ओर से अनेक यात्राएं हुई हैं, इनमें से हाल में हुई यात्रा नवंबर, 2013 में यूरोपीय मामलों के राज्य मंत्री श्री पास्कल डोनोगोए के नेतृत्व में एक आयरिश शिष्टमंडल ने 11वीं असेम - आसियान विदेश मंत्री बैठक में भाग लिया। उन्होंने अपनी यात्रा के दौरान राज्य मंत्री (पीके) से मुलाकात की जिसमें व्यापक श्रेणी के द्विपक्षीय एवं वैश्विक मुद्दों पर चर्चा हुई।

रोजगार, उद्यम एवं नवाचार मंत्री श्री रिचर्ड ब्रूटन ने एक 45 सदस्यीय व्यापार शिष्टमंडल के साथ नवंबर, 2013 में भारत का दौरा किया। उन्होंने सी आई एम श्री आनंद शर्मा से मुलाकात की तथा राष्ट्रीय नवाचार परिषद द्वारा आयोजित वैश्विक नवाचार गोलमेज को संबोधित किया।

बाल मंत्री सुश्री फ्रांसेस फिट्जगेराल्ड ने सेंट पैट्रिक दिवस (मार्च, 2013) को भारत का दौरा किया। प्रशिक्षण एवं कौशल राज्य मंत्री श्री किएरन कैनन के नेतृत्व में आयरलैंड का सबसे बड़ा शिक्षा मिशन नवंबर, 2012 में भारत आया। अप्रैल, 2011 के दौरान, उद्यम, रोजगार एवं नवाचार मंत्री श्री रिचर्ड ब्रूटन के नेतृत्व में एक कारोबारी शिष्टमंडल आयरलैंड के कारोबारियों के लिए वाणिज्यिक अवसरों का पता लगाने के लिए भारत के दौरे पर आया। मार्च, 2011 में, परिवहन, पर्यटन एवं खेल मंत्री डा. लियो वराडकर ने सेंट पैट्रिक दिवस समारोह के लिए भारत का दौरा किया और मार्च, 2010 में, संचार, ऊर्जा एवं प्राकृतिक संसाधन मंत्री एमान रियान ने सेंट पैट्रिक दिवस समारोह के लिए मुंबई और दिल्ली का दौरा किया।

दोनों देशों के विदेश कार्यालयों के बीच पांच चक्र के परामर्श हो चुके हैं, पिछले चक्र का आयोजन सितंबर, 2009 में नई दिल्ली में हुआ था।

द्विपक्षीय करार

फरवरी 1991	हवाई परिवहन करार जिस पर नई दिल्ली में हस्ताक्षर किया गया
अक्टूबर, 1993	विदेश कार्यालय परामर्श के लिए करार जिस पर नई दिल्ली में हस्ताक्षर किया गया
अप्रैल, 2000	सूचना प्रौद्योगिकी पर संयुक्त कार्य समूह के लिए एम ओ यू, जिस पर नई दिल्ली में हस्ताक्षर किया गया
नवंबर 2000	दोहरा कराधान परिहार करार, जिस पर नई दिल्ली में हस्ताक्षर किया गया
जनवरी 2006	(आयरलैंड के प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान) संस्कृति में सहयोग पर करार, वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीय सहयोग पर करार, दोनों देशों के विज्ञान प्रतिष्ठानों के बीच सहयोग के लिए करार (एस एफ आई - आयरलैंड और भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी)

द्विपक्षीय व्यापर (मिलियन यूरो में)

वर्ष	भारत से आयात	भारत को निर्यात	कुल व्यापार
2008	265.00	161.00	426.00
2009	281.00	158.00	439.00
2010	301.00	162.00	463.00
2011	372.00	217.00	589.00
2012	235.00	365.00	600.00
2013	281.00	386.00	667.00

स्रोत: केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय, आयरलैंड

वर्ष 2013 **में माल का व्यापार** 667 **मिलियन यूरो था जबकि वर्ष** 2012 **में माल एवं सेवा व्यापार** 2.26 **बिलियन यूरो था। आयरलैंड की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से निर्यात पर आधारित है। माल एवं सेवाओं के निर्यात का जी डी पी में लगभग** 80 **प्रतिशत हिस्सा है जो इस छोटे देश की अर्थव्यवस्था के लिए विदेश व्यापार के महत्व को दर्शाता है। भारत आयरलैंड को जिन वस्तुओं का निर्यात करता है उनमें मुख्य रूप से टेक्सटाइल, गारमेंट और कपड़े के साजो-सामान, भेषज पदार्थ, लाइट इंजीनियरिंग गुड्स एवं रसायन शामिल हैं। भारत आयरलैंड से जिस वस्तुओं का आयात करता है उनमें मुख्य रूप से दूर संचार उपकरण, कंप्यूटर असेसरीज, प्रिसीजन इक्विपमेंट तथा भेषज पदार्थ शामिल हैं। वर्ष** 2012-13 **में आयरलैंड के कुल वैश्विक व्यापार में भारत के निर्यात का हिस्सा** 0.13 **प्रतिशत था तथा उसके कुल वैश्विक व्यापार में भारत के आयात का हिस्सा** 0.09 **प्रतिशत था।**

आर्थिक संबंध :

आर्थिक संबंधों में विकास की मजबूत संभावना है परंतु इस क्षमता का पर्याप्त रूप से उपयोग नहीं हुआ है। 1990 **के दशक में, आयरलैंड की तेजोमय आर्थिक वृद्धि ज्यादातर यूरोपीय संघ एवं यू एस ए के साथ व्यापार एवं निवेश संबंधी आदान - प्रदान पर आधारित थी जिसमें एशिया का योगदान नाममात्र का था। जब आयरलैंड ने** 1998 **में अपनी एशिया रणनीति शुरू की, तो उसका मुख्य फोकस चीन पर था।** 2004 **में जाकर भारत को फोकस देश के रूप में शामिल किया गया। तब से, और विशेष रूप से आयरलैंड के प्रधानमंत्री बर्टी अहेर्न की एक बड़े कारोबार शिष्टमंडल के साथ जनवरी,** 2006 **में भारत यात्रा के बाद आर्थिक सहयोग में काफी तेजी आई है।**

मई, 2008 **में, एक आयरलैंड - भारत कारोबार संघ (जिसका उद्घाटन उद्यम, व्यापार एवं रोजगार मंत्री माइकल मार्टिन द्वारा किया गया) की शुरूआत से दोनों देशों के कारोबारी समुदायों के बीच अंत:क्रिया काफी बढ़ गई है। हाल के वर्षों में, आई टी पर अधिक बल को देखते हुए अप्रैल,** 2000 **में आईटी पर एक संयुक्त कार्य समूह का गठन किया गया।**

व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने के लिए इंटरप्राइज आयरलैंड और आयरलैंड विकास एजेंसी (आई डी ए) दोनों ने मुंबई में अपना कार्यालय स्थापित किया है।

आयरलैंड में भारतीय कंपनियां :

निम्नलिखित भारतीय कंपनियों की आयरलैंड में उपस्थिति है :

वॉकहार्ट, रैनबैक्सी एवं रिलायंस लाइफ साइंस, क्रॉम्टन ग्रीव्स, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एच सी एल टेक्नॉलाजीज, विप्रो, रिलायंस गेनेमेडिक्स लि. टेक महिंद्रा लि., ब्राहमम, अदिति टेक्नोलॉजीज, फ्रस्टसोर्स, दीपक फास्टनर्स तथा हिंदुस्तान जिंक। इस आशय की रिपोर्टें हैं कि अन्य भारतीय फार्मास्युटिकल एवं आईटी कंपनिया आयरलैंड में निवेश के लिए वार्ता के विभिन्न चरणों पर हैं।

भारत में आयरलैंड की कंपनियां

आयरलैंड की निम्नलिखित कंपनियों की भारत में उपस्थिति है:

सी आर एच, टोटल प्रोड्यूस, मेडिकल रिसर्च कंपनी आइकॉन तथा केरी ग्रुप्स।

संस्कृति

जनवरी, 2006 **में, आयरलैंड के प्रधानमंत्री बर्टी अहेर्न की भारत यात्रा के दौरान एक द्विपक्षीय सांस्कृतिक करार पर हस्ताक्षर किया गया था। रवींद्रनाथ टैगोर की** 150**वीं वर्षगांठ मनाने के लिए स्थानीय एवं भारतीय सामुदायिक संगठनों के साथ मिलकर दूतावास द्वारा अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जिसमें आवक्ष प्रतिमा का अनावरण, टैगोर की कृतियों का अनुवाद तथा उनके आधार पर नृत्य एवं नाटक शामिल हैं। कई तरह के भारतीय आध्यात्मिक नेता नियमित रूप से आयरलैंड जाते हैं क्योंकि यहां के स्थानीय लोगों में उनके काफी समर्थक हैं। आयरलैंड में बड़े पैमाने पर योग किया जाता है। आयुर्वेद तथा प्राकृतिक चिकित्सा की अन्य पद्धतियों की लोकप्रियता बढ़ रही है। आयरलैंड के लोग विभिन्न भारतीय संघों द्वारा आयोजित भारतीय महोत्सवों में पूरे जोश के साथ भाग लेते हैं।**

प्रवासी विकास सहायता

आयरलैंड 1970 **के दशक से भारत में एक द्विपक्षीय सहायता कार्यक्रम चला रहा है जब कुछ समय के लिए भारत उसके ओडीए प्रयास में प्राथमिकता वाला देश था। सभी अन्य दाता देशों के साथ ओ डी ए कार्यक्रम समाप्त करने के हमारे निर्णय के बाद आधिकारिक द्विपक्षीय सहायता बंद हो गई। आयरलैंड आज भी भूकंप, बाढ़, सुनामी आदि जैसी आपदाओं के दौरान अपने गैर सरकारी संगठनों, जो भारतीय गैर संगठनों के साथ काम करते हैं, के माध्यम से आपातकालीन राहत प्रदान करता है। आयरलैंड के गैर**

सरकारी संगठन भारत में सामाजिक उत्थान की परियोजनाओं - वंचित समुदायों आदि में शिक्षा, स्वास्थ्य देख-रेख पर भारत के प्रतिष्ठित गैर सरकारी संगठनों के साथ काम करने के लिए आयरलैंड सरकार की निधियों तथा स्थानीय स्तर पर जुटाई गई अन्य निधियों का प्रयोग करते हैं। एक अनुमान के अनुसार भारतीय परियोजनाओं में आयरलैंड के गैर सरकारी संगठनों का वार्षिक योगदान 12 - 15 **मिलियन यूरो है।**

एन आर आई / पी आई ओ

आयरलैंड में लगभग 26,000 **भारतीय या भारतीय मूल के व्यक्ति हैं, जिनमें से लगभग** 17,000 **भारतीय नागरिक हैं। अधिकांश समुदाय स्वास्व्थ्य देख-रेख (डाक्टर और नर्स), आईटी, इंजीनियरिंग और वरिष्ठ प्रबंधन के पदों पर हैं। स्थानीय समुदाय द्वारा भारतीय समुदाय का भरपूर आदर किया जाता है तथा यह आयरलैंड के समाज के साथ अच्छी तरह घुलमिल गया है। इसकी प्रोफाइल को देखते हुए भारत - आयरलैंड संबंधों को बढ़ावा देने के लिए यह समुदाय एक महत्वपूर्ण संसाधन है। डा. लियो वराडकर** (34 **वर्ष**), **जिनको मंत्रीमंडल में मध्यावधि फेर-बदल के दौरान परिवहन, पर्यटन एवं खेल विभाग से हटाकर हाल ही में स्वास्थ्य मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया है, भारतीय मूल के पहले मंत्री हैं।**

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, डबलिन की वेबसाइट :
http://www.indianembassy.ie/

***

दिसंबर, 2014